से लिया जाना चाहिए। अगर इन रिफाइनरीज का काम ठप्प होता है तो हमारे देश की करोड़ों रुपये की हानि होगी। इसलिए इस विषय पर मंत्री महोदय बताय कि इस सामूहिक अवकाश के क्या कारण थे, उन अधिकारियों की क्या मांग थी और आगे इस हड़ताल को न होने देने के लिए और उन अधिकारियों की मांगों की पूर्ति की दिशा में सरकार द्वारा क्या कदम उठाये गये हैं। तथा एक हड़ताल या सामूहिक अवकाश के कारण कितनी हानि हुई।

(ii) MEDICAL OFFICERS OF NATIONAL HEALTH SERVICES

डा० रामजी सिंह (भागलपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से, नियम 377 के अन्तर्गत, 484 नेशनल मेडिकल आफिसर्स जो नेशनल हैल्थ सर्विसिज में है, के विषय मे कुछ कहना चाहता हू।

अध्यक्ष महोदय, आपको सुन कर आश्चर्य और दु.ख होगा कि इन डाक्टरो मे से कुछ की गत दस वर्षो मे और कुछ की गत 13 वर्षों से कन्फर्मेशन नही की गयी है और न उन को कोई प्रमोशन दी गयी है। नियम के अनुसार, इनकी नियुक्ति के पाच वर्ष के पश्चात् इनका नाम डी० पी० सी० या डिपार्टमेंटल प्रमोशन कमेटी में भेजा जाना चाहिये था। 13 वर्ष के पश्चात् भी इनका नाम डी०पी०सी० को नही भेजा गया। इसके सम्बन्ध मे मैने सदन में प्रश्न भी पूछा था और स्वास्थ्य मंत्री जी को पत्र भी लिखा था लेकिन आज तक इन डाक्टरो की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। मेरे पत्र के उत्तर में कहा गया था कि दिसम्बर, 1977 में डी०पी०सी० होगी लेकिन वह भी काम अभी तक नहीं हुआ।

अध्यक्ष महोदय, अगर आप अनुमति देंगे तो इन सारे 484 डाक्टरों की सूची जिनका गत 10 या 13 वर्षों से कन्फर्मेशन या प्रमोशन नही हुआ है, मैं सभा पटल पर रख दूगा।* अध्यक्ष महोदय मैं आपसे भी चाहूंगा कि आप स्वास्थ्य मंत्रालय को यह निर्देश दे कि सरकार नियमों का इन डाक्टरो के मामले में पालन करे। और उन का शीघ्र से शीघ्र कनफर्म करें। नियमों के अनुसार उन का प्रोमोशन भी होना चाहिए।

बहुत दुख की बात है कि ये जो डाक्टर हैं ये यू. पी. एस. सी. के जरिये रिक्रूट हो कर आए हैं और इन के बाद आए हुए जो दूसरी जगह चले गए हैं वे फिर आकर उन से सीनियर हो जाते है। जो निष्ठापूर्वक सी. जी. एच. एस. मे काम कर रहे है उन की दस से 13 वर्ष तक पदोन्नति का सवाल तो अलग रहा उनको आज तक कनफर्म भी नही किया गया है।

इन 484 डाक्टरों की सेवाओं को शीघ्र स शीघ्र नियमो के अनुसार कनफर्म किया जाए और उन का जल्दी से जल्दी डी० पी० सी० के पास भेजा जाए। इन डाक्टरो को यह शक है कि स्वास्थ्य मंत्रालय में कुछ प्रशासक बैठे हुए है जो उन के खिलाफ साजिश कर रहे है और इन के केसिस वे डी० पी० सी० के पास नही भेज रहे है। यह बहुत दुख की बात है कि क्वालिफाइड डाक्टरों को दस बरस तक अनकनफर्म्ड रखा जाए।

(iii) REPORTED DISCONTENTMENT AMONGST CENTRAL GOVERNMENT EMPLOYEES FOR NON-PAYMENT OF ADDITIONAL DA IN CASH.

श्रीमती अहिल्या पी. रांगनेकर (बम्बई उत्तर मध्य) : केन्द्रीय कर्मचारियों को महगाई भत्ते की जो किश्त मिलनी चाहिये थी

*The Speaker not having sub-sequently accorded the necessary permission, the paper was not treated as laid on the Table.

[श्रीमती अहिल्या पी० रांगणेकर]

वह केन्द्रीय सरकार ने उन को नही दी है। पे कमीशन की सिफारिशो के अनुसार वह इन को मिल जानी चाहिए थी। गवर्नमैंट ने एग्री भी कर लिया है लेकिन अभी तक वह इन को नही दे रही है। गवर्नमैंट ऐसा भी सोच रही है कि यह जो मंहागाई भत्ता है उस के उन का बाड्ज दिये जायेगे जो दस साल के बाद इनकैश किए जा सकेंगे। मंहगाई भत्ता पगार या वेतन की बढोतरी नही है। चीजों की कीमतें बढ़ती है तो उन की परचेजिग पावर को कायम रखने के लिये यह भत्ता दिया जाता है। सरकार द्वारा प्रमाणित किए हुए भी दो महीने हो गए है लेकिन अभी तक उन को यह भत्ता नही दिया गया है। इस कारण से उन मे बहुत असन्तोष है। इस के बारे मैं सरकार को जल्दी से जल्दी कदम उठाना चाहिए। जो कीमते बढी है इन के लिए वे जिम्मेवार नही है। वे गवर्नमैट की नीति के कारण ही बढी है। इन के लिए उन को दडित करना उचित नही है। इस डी० ए० की किश्त के बारे मै जल्दी से जल्दी आप का फैसला करना चाहिए और उन को इस को देना चाहिए। ऐसा नहीं किया गया तो उन मे व्याप्त असन्तोष और ज्यादा बढ़ जाएगा और उस मे एडमिनिस्ट्रेशन भी इफैक्ट होगा।

(iv) REPORTED CLASH BETWEEN SENIOR OFFICER OF LAKSHDEEP ADMINISTRATION AND STUDENTS OF J. N. COLLEGE

SHRI P M SAYEED (Lakshadweep): Mr Speaker, Sir, it has now become my painful duty to bring to your kind notice an apparently innocent request to the officials by the students of Jawaharlal Nehru College at Kavaratti in the Union Territory of Lakshadweep and their parents not to have inauguration of the official function within 11 feet away from the college function on 3rd March, 1978. The students of the college were celebrating their college day on 2nd & 3rd of March within the college premises with the permission of the authorities. On the same day just 11 feet away from the students stage in the college premises, the government officials constructed a stage for the inauguration followed by cultural functions of the 'Kerala Samajam' consisting of only government officials of the island. This was naturally not very much to the liking of the students as they were afraid that the government officials function might mar their college day. So this matter was discussed by the students and their parents and they have decided to send a deputation to the officials to shift their venue to somewhere else This decision was taken solely for the reason that the students were not in a position to shift their function anywhere else away from the college. Apart from this, it appeared to the parents as well as the students that the decision of the officials to have their function very close to the college day function is only an accident and if requested, good sense would prevail over them and they would shift their venue from the college premises With this in view a deputation of parents approached the senior most officials available on the island as on that day neither the administrator, nor the collector was available in the island, and conveyed the feelings of the students and humbly requested that the official inauguration may not be near the college premises where the students college day celebrations were going on. This request, to the utter dismay and disappointment of the island community, evoked only hatred towards the deputationists and students instead of sympathy. In the result, simultaneously When the official function of inaugurating their samajam was taking place, some miscreants threw a chappal on the stage from amongst the audience which totally irritated the official community Somebody hurled abuses from the stage in reaction to the incident. Suddenly the lights went off, and in a few minutes, pandemo-